जिनभाषित २००७ ०२ (फोल्डर नं. ०२४३१४)

सम्पादक – प्रो. रतनचन्द्र जैन

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय – आर्यिकाओं की नवधा भक्ति ----------२
दिगम्बर जैन मुनियों की धार्मिक स्वतन्त्रता में हस्तक्षेप पर गाँधी जी का खेद – प्रकाशन –
ब्र. शान्तिलाल जैन ---------- ५
वर्षायोग – प्राचार्य पं. नरेन्द्र प्रकाश जी जैन ---------- ७
भरत – ऐरावत – विदेहक्षेत्रस्थ क्रमभूमियाँ एक अनुशीलन – डॉ. श्रेयांसकुमार जैन ---------- ९
साधार है कुण्डलपुर – डॉ. राजेन्द्र कुमार बंसल ----------१३
सरगुजा का जैन पुरातत्त्व वैभव – प्रो. उत्तमचन्द्र जैन गोयल----------२१
तीर्थंकर पद्मप्रभ एवं नमिनाथ के चिह्नकमलों में भिन्नता – प्रो. (डॉ.) अशोक जैन ---------- ३२
भरताष्टकम – मुनि श्री प्रणम्यसागर जी ---------- २३
जिज्ञासा – समाधान – पं. रतनलाल बैनाडा ---------- २४
अभय दान – मुनि श्री क्षमासागर जी ----------१२
अबला नहीं सबला – श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी---------- २०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org